क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 159, मंगलवार, 03 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कानपुर:मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय, रात में चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे डीएम

कानपुर (एजेंसी)। तीन जुलाई को स्पाइसजेट की विमान के सेवा शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु के साथ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आना तय हो गया है। इसके लेकर जिलाधिकारी विजय विश्वास पंत ने अधिकारियों संग रात साढ़े नौ बजे चकेरी एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक जमील खालिक और स्पाइसजेट के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तैयार की। उन्होंने आयोजकों को निर्देश दिया कि वे दो जुलाई शाम तक तैयारी को अंतिम रूप दे दें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यात्रियों को शुभकामना देने के साथ एक छोटी सभा को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए डीएम ने आयोजकों को मंच और अतिथियों के बैठने की विशेष व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इससे पहले चकेरी एयरपोर्ट पर तैयारी का काम तेजी से चल रहा है। रंग-रोगन के साथ, व्यवस्थाओं को दुरस्त करने और मंच बनाने की तैयारी चल रही है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, प्रदेश के मंत्री नंदगोपाल नंदी, सतीश महाना, सत्यदेव पचौरी समेत सभी जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

सांसद, कैबिनेट मंत्री ने किया निरीक्षण

चकेरी। तीन जुलाई को चकेरी एयरपोर्ट पर आ रहे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु को लेकर सांसद देवेंद्र सिंह भोले और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतीश महाना ने निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक स्पाइसजेट के कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय से पहले तैयारी पूरी कर लें। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बैठने का स्थल से लेकर यात्रियों तक के बैठने की व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मैथानी भी मौजूद रहे।

नौकरी का झांसा दे युवती से गैंगरेप, नशीला पदार्थ खिला बनाया अश्लील वीडियो

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। देहरादून की युवती को बंधक बनाकर जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने का मामला प्रकाश में आया है। युवती को नशीला पदार्थ खिला अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। आरोप है कि एक मकान में उसके साथ चार आरोपियों ने गैंगरेप कर अश्लील वीडियो बनायी। कोर्ट के आदेश पर इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। देहरादून निवासी एक युवती हाल में मोहल्ला आनन्दपुरी में रह रही है। आरोप है कि उसे रोजगार दिलाने का झांसा देकर आशिया निवासी सोरम ने सिविल लाइन क्षेत्र में बंधक बनाकर रखा। आरोपी युवती ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बना ली। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी युवती ने उसे बंधक बनाकर जबरदस्ती धर्मपरिवर्तन करा दिया। उसका निकाह शाहपुर क्षेत्र के एक युवक से जबरदस्ती करा दिया गया। आरोपी युवती ने उसे वैश्यावृति के धंधे में भी धकेलने का प्रयास किया। तीन माह पूर्व आरोपी के चंगुल से युवती किसी तरह बंधनमुक्त होकर अपने घर पहुंची। आरोप है कि कुछ माह पूर्व आरोपी युवती उसे रास्ते में मिली। वह अपनी बातों में फंसाकर महमूदनगर में उसे एक मकान में ले गयी। आरोप है कि आरोपी शाहनवाज निवासी दधेडू, आशक अली निवासी खतौला, आशीष कुमार निवासी गाजावाली पुलिया व अनीस निवासी शाहपुर ने उसके साथ गैंगरेप किया।

झांसी में लेन-देन के विवाद में युवक की हत्या

झांसी (एजेंसी)। कोतवाली क्षेत्र के खाई मोहल्ले में रुपयों की लेनदेन में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। चाकू से हमले से घायल युवक को आरोप की पत्नी ही इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले गई थी, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हो गया है। गुरसरांय के सेमरी में रहने वाला विनोद यादव (38) रविवार सुबह चन्द्रशेखर के घर पहुंचा था। दोनों में रुपयों को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों में हाथापाई हो गई। तभी चन्द्रशेखर ने विनोद पर चाकू से हमला कर दिया। घायल विनोद जमीन पर गिर पड़ा और चन्द्रशेखर मौके से फरार हो गया। उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल विनोद को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां उसकी मौत हो गई।

अगर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिला तो लोकसभा चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलेगी दिल्ली में

पूर्ण राज्य की मांग को लेकर सीएम की पीएम को चुनौती

आप ने दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाये जाने की मांग को लेकर जंग छेड़ने का ऐलान किया है। रविवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूर्ण राज्य की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल अनिल बैजल पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से इस मसले पर अपना पक्ष स्पष्ट करने की अपील करते हुए कहा कि अगर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलता तो लोकसभा चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलेगी। केजरीवाल ने आम दिल्लीवासियों से सियासी जंग में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि अनिल बैजल दिल्ली के अंतिम उपराज्यपाल होंगे। रविवार शाम खचाखच भरे स्टेडियम में केजरीवाल ने सवाल किया कि दिल्ली में किसकी चलेगी, उपराज्यपाल की या दिल्लीवालों की।

राशन डिलिवरी स्कीम, मोहल्ला क्लीनिक, सीसीटीवी कैमरा, ठेकेदारी प्रथा खत्म करने जैसी दिल्ली सरकार की दूसरी योजनाओं को गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनी हुयी सरकार दिल्लीवालों के लिए काम करना चाहती है, लेकिन उपराज्यपाल उसे रोक देते हैं। यहां तक कि इस मसले पर जब वह अपने मंत्रियों के साथ बात करने राजनिवास गए तो वह उनसे मिलने तक नहीं आये।

नौ दिनों तक अनिल बैजल ने मिलने का वक्त नहीं दिया। दिल्ली की जनता उन्हें 2019 में इसका जवाब देगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि उपराज्यपाल ने दिल्ली के दो करोड़ लोगों का अपमान किया है। उन्होंने सवाल किया कि लगों ने वोट किसे दिया था, केजरीवाल को या उपराज्यपाल को ? जब दिल्लीवालों ने केजरीवाल को वोट दिया था तो बीच में उपराज्यपाल कहां से आ गए?

मुखयमंत्री ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ दिल्ली की नहीं, पूरे देश की है। उन्होंने कहा कि वह सभी दलों से भी अपील करते हैं कि इस हक में आवाज उठाएं।

केजरीवाल ने जल्द ही राजनीतिक दलों की बैठक भी बलाने की बात कही। साथ ही राहुल गांधी से सवाल किया कि वह इस मसले पर अपना पक्ष स्पष्ट करें। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी याद दिलाया कि लोक सभा चुनावों के दौरान किये गये अपने वादे को पूरा करें। उन्होंने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का चुनावी वादा किया, लेकिन सत्ता संभालते ही उन्होंने दिल्ली को पहले से मिले अधिकार भी खत्म कर दिये। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया तो ठीक वरना 7 सीट में से कुछ नहीं मिलेगा।

पूर्ण राज्य की मांग को लेकर रविवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रदेश सम्मेलन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व मंत्रिमंडल के सदस्य व पार्टी के नेता।

सीएम पूर्ण राज्य फामरूला : अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पूरे एनडीएमसी को केंद्र अपने अधीन रखे। इसी इलाके में केंद्र के सारी इमारतें, दूतावास आदि हैं। बाकी पूरी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया जाये। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलता, उपराज्यपाल की नियुक्ति दिल्ली सरकार की सलाह पर की जाये।

पूर्ण राज्य आंदोलन से जुड़ने के लिए जारी किया नंबर :

आम आदमी पार्टी ने पूर्ण राज्य आंदोलन से जुड़ने के लिए एक मिक्स्ड कॉल नंबर 7065049000 जारी किया है। पार्टी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि तीन जुलाई से दिल्ली मांगें अपना हक अभियान चलाएंगे। इस दौरान 10 लाख घरों में पत्र पर हस्ताक्षर लिया जायेगा। वहीं, पूरी दिल्ली में 3000 पूर्ण राज्य आंदोलन केंद्र भी खुलेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस एनकाउंटर पर योगी सरकार से 2 हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य में हाल के दिनों में हुयी मुठभेड़ों पर नोटिस जारी करके दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निदेर्श दिया है। उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ों के खिलाफ स्वयंसेवी संगठन(एनजीओ) पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी ने याचिका दायर की है जिसमें कई मुठभेड़ों के फर्जी होने का आरोप लगाया गया है। एनजीओ की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा,न्यायाधीश ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड की खंडपीठ ने नोटिस जारी करके दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। संगठन की तरफ से अधिवक्ता संजय पारिख ने दाखिल याचिका में आरोप लगाया है कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश में कम से 500 मुठभेड़ हुई हैं जिनमें 58 लोग मारे गए हैं। पीठ ने इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भी पक्षकार बनाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। भारतीय जनता पाटी(भाजपा) के योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पिछले मार्च में उत्तर प्रदेश में नयी सरकार का गठन हुआ था।

नयी सरकार के बाद राज्य में कानून और व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों की संख्या में काफी तेजी आई थी। मुठभेड़ों को लेकर योगी सरकार पर विपक्षी दल बराबर निशाना साध रहे हैं। उनका आरोप है कि मुठभेड़ के नाम पर पुलिस बेगुनाहों को मार रही है।

दिल्ली का बोझ कम कर मेरठ को विस्तार देगी रैपिड रेल

मेरठ (एजेंसी)। रैपिड रेल आबादी के बोझ से दबी जा रही दिल्ली को बड़ी राहत देगी। साथ ही मेरठ शहर के विस्तार में बड़ी भूमिका निभाएगी। रोजाना दिल्ली आना जाना आसान होगा। मेरठ शहर बड़ा विस्तार लेगा। इसी को देखते हुए एमडीए ने पहले ही अपने क्षेत्र का विस्तार सरधना, मवाना, दौराला, हस्तिनापुर और खरखौदा के साथ 124 गांवों तक कर लिया है। शहर में जमीन की बड़ी उपलब्धता को देखते हुए यहां निजी निवेशक भी पूंजी विस्तार के लिए आ सकेंगे।एनसीआर में 58 हजार वर्ग किलोमीटर में करीब 46 मिलियन लोग रहते हैं। एनसीआर की 39 प्रतिशत आबादी दिल्ली में रहती है,। राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास बस स्टेशन और रेलवे स्टेशनों को रैपिड रेल से जोड़ा जाएगा।

भदोही : लॉकअप में मौत के मामले में एसओ पर हत्या का केस दर्ज

भदोही (एजेंसी)। गोपीगंज थाने के लॉकअप में आटो चालक रामजी मिश्र की मौत तथा उसके बाद व्यापक जनाक्रोश को देख जिले की पुलिस बैकफुट पर आ गई है।

एसपी सचिंद्र पटेल के निर्देश पर गोपीगंज थाने की पुलिस ने रविवार की देर रात लाइन हाजिर प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार वर्मा पर हत्या का केस दर्ज किया। मृतक की बेटी रेनू ने लिखित तहरीर देकर उन पर पिता को जान से मारने का आरोप मढ़ा था।

गोपीगंज नगर के फूलबाग मोहल्ला निवासी रामजी मिश्र व अशोक मिश्र नामक दो भाईयों में मकान के बटवारे को लेकर शुक्रवार को विवाद हुआ था। उस दौरान पुलिस दोनों को थाने लाई थी।

आरोप था कि तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार वर्मा ने रामजी को थप्पड़ रसीद किया था और उसके बाद हवालात में बंद करा दिया। जिसके बाद आटो चालक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद देर रात आनन-फानन में पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया, जिसके बाद बात बिगड़ी और पूरे कुनबे के साथ ही भारी तादात में भीड़ शनिवार को सड़कों पर उतर गई।

मृत ऑटो चालक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है

दो घंटे गोपीगंज-ज्ञानपुर मार्ग तथा आधे घंटे तक जीटी रोड पर वाहनों की रफ्तार रुक गई थी।

मामला बढ़ता देख जिले के पुलिस अधीक्षक सचिंद्र पटेल ने आरोपित थानेदार सुनील वर्मा के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए। रविवार की रात करीब 12 बजे गोपीगंज थाने में मृतक की बेटी रेनू की तहरीर पर आईपीसी की धारा 302 के तहत केस दर्ज किया गया। बता दें कि प्रकरण की विभागीय जांच अपर पुलिस अधीक्षक डा. संजय कुमार तथा मजिस्ट्रेट जांच अपर जिलाधिकारी रामजी वर्मा कर रहे हैं।

मृतक की पत्नी कंचन व बेटियों दीपाली व रेनू के चीखने, रोने की गूंज जिले के साथ ही सूबे की राजधानी तक गूंज रही हैं।

मौसम रिपोर्ट: देश में कई जगहों पर भारी बारिश का ताजा अलर्ट

नई दिल्ली। घंटों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में बीकानेर, जैसलमेर और बाडमेर में 2 सेंटीमीटर से 5 सेंटीमीटर व करौली, उदयपुर, धौलपुर और सीकर में एक सेंटीमीटर से दो सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की है। उत्तर प्रदेश में भी मानसून पूरी तरह सक्रिय है। पिछले 24 घंटों में यूपी के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई है। आंचलिक मौसम केन्द्र की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में राज्य के पूर्वी हिस्से और पश्चिमी हिस्से में कई जगहों पर बारिश हुई है।

मप्र में बदली छाई

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार सुबह से बदली छाई हुई है और हवाएं चलने से गर्मी से राहत है। राज्य में मानसून की दस्तक के साथ तापमान में गिरावट आई है। उमस का असर भी कम हुआ है। सोमवार सुबह से मौसम सुहावना है, आसमान पर हल्के बदलों का डेरा होने के साथ चल रही हवाएं गर्मी से राहत दे रही है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सो में मानसून की बारिश हो रही है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि आगामी 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। राज्य में मानसूनी बारिश से मौसम में बदलाव लाया है। सोमवार को भोपाल का न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री, इंदौर का 23.5 डिग्री, ग्वालियर का 25.4 डिग्री और जबलपुर का न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, रविवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री, इंदौर का 32.9 डिग्री, ग्वालियर का 37.3 डिग्री और जबलपुर का अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

दिल्ली में धूपभरी सुबह

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह धूप निकली हुई है और न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री ज्यादा 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा, दिन में आमतौर पर धूप निकली रहेगी और शाम को हल्की बारिश होने की संभावना है। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता का स्तर 58 फीसदी दर्ज हुआ। अधिकतम तपामान 36 डिग्री के आसपास रह सकता है। वहीं, रविवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

बिहार में बारिश के आसार

बिहार की राजधानी पटना सहित राज्य के कई हिस्सों में रविवार को हुई बारिश के बाद सोमवार सुबह पटना और आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं। इस बीच तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी पटना का सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अपने पूवार्नुमान में कहा है कि अगले 24 से 48 घंटों में बिहार के कई हिस्सों में हल्की से भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छाए रहेंगे और तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बिहार के अन्य शहरों भागलपुर का सोमवार को न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री, गया का 26 डिग्री और पूर्णिया का 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना का रविवार का अधिकतम पारा 33.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सोमवार को पटना का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान पटना में छह मिलीमीटर जबकि पूर्णिया में 15.50 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

यूपी में बदली छाई, बारिश के आसार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ व राज्य के अन्य हिस्सों में सोमवार सुबह से ही बादल छाई हुई है, जिससे गर्मी व उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को राजधानी लखनऊ का न्यनूतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जाएगा। मिजोरम, बिहार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कोंकण गोवा और तटिय कर्नाटक में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

रेलवे भर्ती परीक्षा 2018: ग्रुप डी व सी

90,000 पदों के लिए एग्जाम की संभावित तारीखें घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रेलवे ने 90 हजार पदों पर भर्ती के लिए पहले चरण की लिखित परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। हालांकि ये तारीख संभावित है, लेकिन इस घोषणा से 2 करोड़ 37 लाख आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने घोषणा की है कि ग्रुप डी और ग्रुप डी के लिए पहले चरण का कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) अगस्त/सितंबर, 2018 में आयोजित होगा। इस ऐलान के साथ अब उम्मीदवार अपनी परीक्षा की तैयारी की रणनीति बना सकते हैं। नोटिफिकेशन में आरआरबी ने कहा था परीक्षा अप्रैल/मई माह में आयोजित हो सकती है। लेकिन अत्यधिक आवेदनों के आने की वजह से परीक्षा का कार्यक्रम आगे बढ़ाया गया है। रेलवे ने कुछ दिनों पहले नोटिस जारी करते हुए कहा कि आवेदन पत्रों की छंटनी का काम चल रहा है और यह जल्द पूरा होगा। जुलाई के पहले सप्ताह में परीक्षा देने के योग्य व वैध उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी।

युवाओं ने 29 जून को किया था प्रदर्शन

हजारों युवाओं ने 29 जून को 'रोजगार मांगे इंडिया' के बैनर तले देश भर में विरोध प्रदर्शन किया था और रेलवे से परीक्षा की तिथि जारी करने की मांग की थी। प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली और कोलकाता में रेलवे भर्ती बोर्ड के कुछ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी। रेल भवन के सामने विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इंटरनेट पर परीक्षा की तारीखों को लेकर फर्जी खबरें वायरल हो रही हैं। फर्जी खबरों से उम्मीदवारों को काफी परेशानी हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरआरबी के कार्यकारी निदेशक अमिताभ खरे से भी मुलाकात की थी। आरआरबी ने परीक्षा की संभावित तारीख घोषित करते समय उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वह केवल आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट्स पर भरोसा करें। फर्जी खबरों से गुमराह होने से बचें।

रेलवे भर्ती बोर्ड ने फरवरी माह में ग्रुप डी के 62000 पद और असिस्टेंट लोको पायलट व टेक्नीशियन के 26000 पदों के लिए भर्तियां निकाली थी। इन भर्तियों के लिए 2 करोड़ 37 लाख आवेदन आए हैं। अब रेलवे इन आवेदनों की जांच में लगा रहा हुआ है। लेवल-2 के पदों में लोको पायलेट, सहायक स्टेशन मास्टर आदि की लिखित परीक्षा के अलावा मनौवैज्ञानिक परीक्षा ली जाएगी, जबकि लेवल-1 के पदों में गैंगमैन, ट्रैकमैन, प्वांइटमैन आदि की लिखित परीक्षा होने के बाद संबंधित जोन में शारीरिक टेस्ट लिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि लेवल-1 की देशभर में एक दिन ही परीक्षा कराई जाएगी। इसी प्रकार दूसरे चरण में लेवल-2 की देशभर में एक दिन ही परीक्षा आयोजित होगी।

संपादकीय

तनाव का समय

तनाव, खुशी और गम का विज्ञान काफी उलझा हुआ है। हर रोज हमें तनाव का एक नया कारण पता चलता है, हर रोज उसका एक नया समाधान भी अवतरित हो जाता है। मुमकिन है कि हमारे पास कारण से ज्यादा समाधान हों। जो भी हो, सच यही है कि तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और खुशियों की खोज भी बढ़ रही है, जो नए गम देती है। हमारे यहां मर्ज से मुक्ति की एक और धारणा भी है, जो कहती है कि सबसे अच्छा तरीका यह है कि दर्द को ही दवा बना लो। तनाव के बारे में हम मानते रहे हैं कि यह आधुनिक दौड़-भरी जिंदगी की देन है। लेकिन अब कुछ शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि भागते-दौड़ते भीड़ भरे किसी शहर की तेज जिंदगी आपको जो खुशियां दे सकती है, वह शायद कहीं और न मिले। अमेरिकी अध्येता जेनेट ब्लैकनेल का कहना है कि अति व्यस्त जिंदगी की आपको बहुत से दुखों और तनावों से दूर रखती है। उनका कहना है कि अमेरिका में सुखी लोगों के जितने भी अध्ययन हुए हैं, वे बताते हैं कि वे सब अति व्यस्त लोग हैं। शायद इतने व्यस्त कि उनके पास दुखी होने की भी फुर्सत नहीं है। इसके लिए वे कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध का हवाला देती हैं, जो दुनिया के 31 देशों में किया गया था। इसमें पाया गया कि तेज जिंदगी जीने वाले समृद्ध अर्थव्यवस्था का हिस्सा होते हैं, इसलिए उनकी जिंदगी अपेक्षाकृत खुशहाल होती है। इसी तरह, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और हांगकांग विश्वविद्यालय के एक संयुक्त शोध में चार लाख से ज्यादा लोगों का सर्वेक्षण हुआ, तो पता चला कि भीड़ वाले शहरों में रहने वाले लोग छोटे शहरों में रहने वालों के मुकाबले ज्यादा प्रसन्न होते हैं। यह बड़ी अजीब सी बात है कि जैसे-जैसे शहरों की भीड़ बढ़ रही है और वहां जिंदगी तेज हो रही है, वहां तनाव भी बढ़ रहे हैं। ये सारे वैज्ञानिक ढंग से किए गए शोध हैं और इनके नतीजों को सीधे-सीधे खारिज भी नहीं किया जा सकता। सच तो यह है कि तनाव के बारे में हम अभी बहुत ठीक से जानते भी नहीं हैं। कुछ लोग मानते हैं कि तनाव हमें समाज देता है, इस नाते यह एक सामाजिक दोष है। दूसरी सोच कहती है कि तनाव समाज और स्थितियों से तालमेल न बिठा पाने का नतीजा होता है, इस नाते यह व्यक्ति को दोष है। फिर इसमें एक पेच यह भी है कि तनाव भले ही हमें समाज देता हो, लेकिन इसके लिए इलाज व्यक्ति का किया जाता है, समाज के इलाज का न तो कोई रामबाण तरीका हमारे पास है और न ही इस इलाज का कोई उदाहरण ही है। यह भी सच है कि शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी में भी आपको ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो पूरी तरह तनाव रहित होते हैं। और ठहरी हुई जिंदगी वाले गांवों-कस्बों में भी आपको एकाध लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिनकी तबीयत जमाने के मिजाज से ही नासाज रहती है। इसे हमें दूसरे ढंग से भी देखना होगा कि हर जमाना लोगों को कोई न कोई मर्ज देता ही है। पुराने दौर मानसिक व्याधियों से पूरी तरह मुक्त थे, इतिहास ऐसा कहीं नहीं कहता। सच यह है कि समाज लगातार जटिल हो रहा है, उसकी समस्याएं भी जटिल हो रही हैं और उसकी मानसिक व्याधियां भी। तनाव हमारे दौर की मानसिक व्याधि है। ऐसा हो नहीं सकता कि हम रहें तो नए दौर में, लेकिन हमारी व्याधि पुराने दौर की हो। मानसिक व्याधियों के रामबाण इलाज हमारे पास कभी नहीं रहे, अभी भी नहीं हैं।

शंका निवारण करे

इंडस्ट्रियल डवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया यानी आईडीबीआई को बचाने की सरकार की कोशिशों का विपक्ष ने जिस तरह विरोध किया है, उस पर सरकार का स्पष्टीकरण आवश्यक है। कांग्रेस का कहना है कि इस बैंक को बचाने के लिए सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम को निवेश करने के लिए मजबूर कर रही है, जो गलत है। इससे निगम में धन जमा करने वाले आम आदमी के लिए जोखिम बढ़ जाएगा। हालांकि कांग्रेस का यह आरोप तयों से परे है कि आईडीबीआई की हालत मोदी सरकार के कार्यकाल में खराब हुई। मनमोहन सरकार के समय ही इस बैंक की स्थिति डांवाडोल हो चुकी थी। कोई बैंक संकट में मुख्यत- दो कारणों से आ सकता है। एक, उसके दिए गए कर्ज की वापसी नहीं हो। यानी जिनने कर्ज लिया वह समय से किश्त न अदा करें। और दो, उसके पास जमाकर्ताओं और कर्ज लेने वालों की संख्या अत्यंत कम हो। भारत के ज्यादातर बड़े बैंकों के साथ दूसरे कारक लागू नहीं होते। इस बैंक को उबारने के लिए पूर्व सरकार ने भी कई बार कोशिशें की। लेकिन यह फिर से सक्षम होकर अपना काम करे इसके लिए जितने कदम उठाए जाने चाहिए थे, नहीं उठाए गए। आप थोड़ी सी वित्तीय मदद कानून के दायरे में रहकर कर दें उससे बैंक संकट से नहीं उबर सकते। उनके लिए कई स्तरों पर काम करना पड़ता है जिसमें वित्तीय पैकेज एक है। मोदी सरकार को ज्यादातर बैंकों का एनपीए विरासत में मिला है। पर उन्हें इनका निदान निकालना जरूरी है। इस दिशा में अनेक कदम उठाए गए हैं। बैंकों का विलय भी उसी कड़ी का अंग है। आरबीआई ने सभी बैंकों से एनपीए का पूरा हिंसाब मांगा है ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। बैंकों के उच्च प्रबंधन एवं कार्यशैली में बदलाव के नियम बनाए गए। सक्षम बकाएदारों से वसूली के लिए कदम उठाए गए हैं, जिनमें कंपनियों की बिक्री भी शामिल है। भूषण स्टील इसका उदाहरण है। फिर उसके लिए एकमुश्त राशि की व्यवस्था भी की जा रही है। वित्त मंत्री ने काफी पहले कहा था कि बैंकों की पुनपरूंजीकरण के लिए सवा दो लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था की जा रही है। इसमें एक रास्ता यह है सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को कुछ निवेश करने के लिए कहा जाए। इसी के तहत एलआईसी को तैयार किया गया है। किंतु इसमें गलतफहमी न हो इसलिए सरकार को पूरा विवरण देना चाहिए।

परिधि/ रामेन्द्र सिंह चौहान

गुणवत्ता पर सवाल

दाखिला के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता पर एक बार फिर सवालिया निशान खड़े हो गये। गम्भीर सवाल खड़ा होता है कि आखिर शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर क्यों नहीं बना सके। दिल्ली विविद्यालय के सम्बद्ध कॉलेजों में एक तरफ दाखिला लेने का सिलसिला जारी रहा तो वहीं दाखिला खारिज (निरस्त) कराने पर भी पुरजोर कवायद दिखी। साफ जाहिर है कि कहीं न कहीं शिक्षिकों में शिक्षा को धारदार बनाने की जिजीविषा नहीं रही। शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को मजबूत बनाने में नीति नियंता भी कम जिम्मेदार नहीं। अफसोस, नीति नियंताओं ने अभी तक देश को शिक्षा की गुणवत्ता को उच्चस्तरीय बनाने की कोई ठोस नीति नहीं बनाई। शायद यही कारण है कि शैक्षणिक सत्र के दाखिला प्रारम्भ होते ही स्तरीय कॉलेजों में अचानक प्रवेशार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ती है। कटऑफ लिस्ट को देख कर छात्र एकबारगी फिर कोशिश करते हैं कि उनको शैक्षणिक स्तरीय कॉलेज मिल जाये। लिहाजा शैक्षिक गुणवत्ता की तलाश में दाखिला लेने व खारिज कराने का उपक्रम चालू हो जाता है। अभिभावकों की पहली कोशिश होती है कि बेटा-बेटी को स्तरीय शिक्षा वाला कॉलेज मिले जिससे बेटा-बेटी पढ़ लिख कर काबिल बन सकें। यह काबिल शब्द केवल अभिभावकों की ही जिम्मेदारी नहीं होती? इसके लिए शिक्षक भी जिम्मेदार हैं क्योंकि शैक्षणिक माहौल बनाने से लेकर छात्र-छात्राओं को अपेक्षित शिक्षा देना शिक्षक का नैतिक उत्तरदायित्व होता है। देश की शिक्षा व्यवस्था के हालात देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शिक्षक संवर्ग का एक बड़ा तबका अपने नैतिक उत्तरदायित्व से विमुख हो चुका है। कर्तव्यपरायणता की बजाय अधिकार के लिए उनका संघर्ष रहता है। कोशिश होती है कि उच्च वेतनमान मिले, लेकिन शिक्षण कार्य भी असुविधाजनक न हो। निजी क्षेत्र की शैक्षणिक व्यवस्था को दरकिनार कर सोंचे तो पायेंगे कि शिक्षकों का शिक्षा के बजाय निजी हित में समय व्यतीत होता है। शासकीय प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था का हाल तो और भी अधिक खराब है। प्राथमिक शिक्षकों की कोशिश होती है कि उनको शिक्षण कार्य आश्रय स्थल या निवास के निकट ही मिले। इसी मतंव्य को ध्यान में रख कर देखें तो पायेंगे कि प्राथमिक शिक्षक तबादलों के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। प्राथमिक शिक्षकों के तबादलों को लेकर राजस्थान सरकार के दो मंत्रियों के मारपीट की घटना सामने आयी। यह बेहद शर्मनाक है।

अच्छे और बुरे वक्त की जीएसटी

बलवीर अरोड़ा

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का एक साल का अनुभव मिला-जुला रहा है। यह सही है कि देश में इस तरह के टैक्स सिस्टम की जरूरत थी। जो देश इतने बड़े क्षेत्रफल में फैला हो, वहां 'एक टैक्स' की जरूरत समझी जा सकती है। फिर, वस्तु और सेवाओं की आवाजाही बिना रोकटोक के होने की बात भी जीएसटी में है। लिहाजा इसकी तरफ उचित ही कदम बढ़ाया गया था। फिर भी, इसकी कुछ खामियां पिछले एक साल में दिखी हैं, जिसे दूर करने के लिए हमारे नीति-नियंताओं को संजीदा होना होगा।

जीएसटी पिछले साल 1 जुलाई को अस्तित्व में आया। इसे काफी जल्दबाजी में लागू किया गया था। इसके तमाम पहलुओं पर गंभीरता से नहीं सोचा गया। यही वजह है कि इसकी दरों यानी रेट में बार-बार संशोधन करने पड़े। जीएसटी देने वालों को भी इस नई प्रक्रिया को समझने और बहुस्तरीय 'टैक्स-फाइलिंग' में दिक्कतें पेश आईं। उन पर अतिरिक्त बोझ पड़ा। छोटे व्यवसाय पर तो इसका खासा प्रभाव दिखा है। संघीय ढांचे को भी इसका नुकसान हुआ है। जीएसटी तैयार करने वालों ने सिर्फ केंद्र के नजरिये से तस्वीरें देखीं। फैसले लेने में राज्य जरूर साथ थे, पर जीएसटी लागू होने के बाद उन्हें भी अपनी नीतियों को आगे बढ़ाने में परेशानी हो रही है।

सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी नीतियों की मैं खास तौर से चर्चा करना चाहूंगा, क्योंकि ऐसी नीतियां कभी-कभी केंद्र से बेहतर राज्यों की रही हैं। सूबों की स्वायत्तता पर भी इसका असर पड़ा है। अब उनके हाथ बांध दिए गए हैं। ऐसी किसी संभावना को खत्म कर दिया गया है कि राज्य अपने तईं कुछ संसाधनों का इंतजाम करके नीतियां जारी रख सकें।

दरों को लेकर भी जीएसटी में उलझन है। अच्छा तो यह होता कि सिर्फ एक दर होती। बहुत जरूरी होने पर दो दरों की व्यवस्था की जा सकती थी। मगर ऐसा नहीं हो सका। इसमें कई दरें हैं, जो अधिकतम 28 फीसदी तक जाती हैं। इस कारण टैक्स-सिस्टम को आसान बनाने के लिए बनी यह पूरी प्रक्रिया अपने-आप में जटिल बन गई। फिर, सेस को अलग से लाकर भी अनावश्यक उलझन बढ़ाई गई। भले ही इसमें कई सेस और टैक्स को शामिल कर लिया गया है, पर कुछ छोड़ भी दिए गए या नए लाए गए हैं। उनको भी जीएसटी में शामिल कर लेना चाहिए, बेशक दर बढ़ा दी जाती।

ये तमाम उलझन इसलिए हैं, क्योंकि हमारे पास 'कॉमन मार्केट' यानी 'साझा बाजार' नहीं है। जीएसटी बनाकर हमने इसी एकरूपता की ओर कदम बढ़ाया था। हमारी नजर यूरोपीय बाजार की तरफ है। मगर यूरोप और भारत में कुछ बुनियादी अंतर है। यूरोप ने पहले 'कॉमन मार्केट' बनाया और फिर कई वर्षों के बाद 'कॉमन करेंसी' यानी साझा मुद्रा। 'संघ' तो वे सही मायनों में अब तक नहीं बना पाए हैं। जबकि हमारे यहां 'राज्यों का संघ' पहले बना, मुद्रा समान रही ही है, और अब 'कॉमन मार्केट' की ओर हम बढ़े हैं। चूंकि अपने यहां संघ बनने के बाद यह सब काम हो रहा है, इसलिए यूरोप के 'कॉमन मार्केट' को हम अपने यहां शायद ही साकार कर पाएं।

> पूरे देश के बाजार में एकरूपता लाने के लिए जीएसटी जरूरी थी, लेकिन जल्द ही हमें इसके डिजाइन की खामियां दूर कर लेनी चाहिए।

इसी तरह, जीएसटी कौंसिल में एक-तिहाई बहुमत केंद्र के पास है और इसमें 'इक्वलिटी ऑफ स्टेट' (राज्यों की समानता) की बात कही गई है। यह भी हमारे संघीय ढांचे के खिलाफ है। राज्यसभा तक में राज्यों का समान प्रतिनिधित्व नहीं है। हमारी मूल धारणा यही है कि राज्य एक समान नहीं हैं। आबादी, संसाधन, परिस्थितियों जैसे तमाम मसलों को लेकर उनमें भारी असमानताएं हैं। मगर जीएसटी कौंसिल बनाते वक्त हम यह तथ्य भूल गए। जब हम सत्ता व्यवस्था को 'यूनिटरी' यानी एकल ढांचे में नहीं ढाल पाए हैं, तो फिर 'कॉमन मार्केट' के लिए ऐसा क्यों किया गया, यह समझ से परे है। इसको भी दुरुस्त करना जरूरी है, वरना राज्यों को काफी नुकसान होगा, खासतौर पर उन सूबों को, जो तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश में हैं। छोटे और बड़े राज्यों का असंतोष बढ़ेगा।

जीएसटी सिर्फ आंकड़ेबाजी और नफे-नुकसान की बात कहती है, जिस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। राज्यों से पैसों का आना, उनका बंटवारा, फायदा-घाटा जैसे तमाम गुणा-भाग संकीर्ण दृष्टिकोण के संकेत हैं। टैक्स-सिस्टम को जनोन्मुखी बनाने की दरकार होती है। उसका एक सामाजिक संदर्भ भी होना चाहिए। दुर्भाग्य से जीएसटी के साथ यह नहीं है। अगर हम लाभ-हानि में ही उलझे रहेंगे, तो लंबे समय में हमारे लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। इसकी वजह यह भी है कि अभी देश की आर्थिक सेहत ठीक है, इसीलिए सब कुछ अच्छा दिख रहा है। मगर आने वाले दिनों में जब अर्थव्यवस्था डांवांडोल होगी, तो तनाव बढ़ जाएगा। और यह गारंटी भला कौन ले सकता है कि कल वैश्विक मंदी नहीं आएगी? अमेरिका ने तो 'टैरिफ वार' शुरू कर ही दिया है, जिसका जवाब चीन और यूरोप अपनी तरफ से दे रहे हैं। इसके अलावा, कई दूसरी वैश्विक चुनौतियां भी हैं। अपने देश में बैंकिंग की खस्ता हालत भी एक बड़ा मसला है। उनका डूब कर्ज यानी एनपीए लगातार बढ़ रहा है। जबकि इतिहास में मजबूत बैंकिंग ने ही हमें बचाया है। ऐसे में, अगर 2008 की वैश्विक मंदी का दौर लौटता है (जिसकी आशंका जताई जाती रही है), तो हम मुश्किलों में फंस सकते हैं। संसाधनों में कमी आते ही राज्यों का तनाव गहराने लगेगा।

साफ है कि सैद्धांतिक रूप से जीएसटी एक स्वागतयोग्य कदम था, पर डिजाइन की गड़बड़ी ने मामला उलझा दिया। अब भी अगर संघीय ढांचे और उसके सिद्धांतों को ध्यान में रखकर जीएसटी के पूरे सिस्टम में बदलाव किए जाएं, तो यह काफी कारगर और सुलझा सिस्टम बन सकता है। किसी भी तंत्र की असली परीक्षा बुरे वक्त में होती है और यदि थोड़ा सा भी अंदेशा हो कि मुश्किल वक्त में जीएसटी शायद संभाल नहीं सकेगी, तो हमें संभल जाना चाहिए। अच्छे वक्त में सब कुछ अच्छा होता है। मगर सिस्टम तो अच्छे और बुरे, दोनों वक्त में बेहतर काम करने के लिए बनाए जाते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्रसंगवश

निःस्वार्थ प्रेम से हासिल सफलता

रेनू सैनी

प्रेम का अर्थ होता है लगाव, जुड़ाव, मन एवं मस्तिष्क का आकर्षण और समर्पण। जहां समर्पण, निष्ठा, ईमानदारी, वफादारी और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न हो जाती है वहीं प्रेम का जन्म हो जाता है। हम सभी किसी न किसी से प्रेम करते हैं। माता-पिता, पति-पत्नी, भाई-बहन, बहन-बहन, भाई-भाई, संबंधी, मित्र, शिक्षक, संगीत, अभिनय, लेखन, वाचन यह सूची बहुत लंबी है। पर आप ईमानदारी से बताइए कि कितने लोग हैं जो बिना शर्त के प्रेम करते हैं? जहां पर व्यक्ति यह सोच कर प्रेम करता है वह प्रेम नहीं व्यापार कहलाता है। निश्चल प्रेम का सबसे बड़ा उदाहरण देखना है तो पशु-पक्षियों की ओर देखिए। पशु-पक्षी केवल निश्चल प्रेम चाहते हैं, कुछ और नहीं। एकमात्र प्रेम के भाव से वे व्यक्ति से इस कदर जुड़ जाते हैं कि अंत तक साथ निभाते हैं। इसलिए आमतौर पर मनुष्य के मुकाबले किसी पशु-पक्षी को प्रेम करना ज्यादा सरल होता है क्योंकि वहां मस्तिष्क अपना जाल नहीं बुनता। पशु-पक्षी भी मनुष्य के प्रेम को अपनाते हैं क्योंकि वे भी व्यक्ति के बारे में कोई धारणा नहीं बनाते। जबकि मनुष्य दूसरे मनुष्य से प्रेम करते समय दिमागी लहरों में डूबते-उतरते रहते हैं।

यही कारण है कि कई बार व्यक्ति जिसे सबसे अधिक प्रेम करने की बात स्वीकारता है, ज़रा -सी गलतफहमी होते ही उसे ही अपना सबसे बड़ा शत्रु मान लेता है। यह कैसे हो जाता है क्योंकि जहां बिना शर्त प्रेम होता है वहां व्यापार, ऊंच-नीच, भेदभाव व विचारों का कोई अवरोध नहीं होता। बिना शर्त का प्रेम हर अवरोध को पार कर मिसाल कायम करता है। एक कॉलेज में समाज शास्त्र के एक प्रोफेसर ने अपने विद्यार्थियों को एक प्रोजेक्ट दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे बाल्टीमोर की झोपड़ियों में रहने वाले 200 बच्चों से यह पूछें कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। सभी विद्यार्थी झोपड़ियों में गए और बच्चों से जानकारी लेकर आए। लगभग सभी विद्यार्थियों ने एक जैसी ही टिप्पणी लिखी- यह बच्चा भविष्य में कुछ नहीं बन सकता।

पच्चीस साल बाद समाज शास्त्र के एक अन्य प्रोफेसर उसी कॉलेज में पढ़ाने के लिए आए। एक दिन उनकी नज़र इस सर्वेक्षण पर पड़ी। प्रोफेसर के मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि क्या सचमुच इस सर्वेक्षण के बच्चे कुछ नहीं बन सके। उन्होंने अपने बैच के विद्यार्थियों को इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाते हुए उन पच्चीस साल वाले बच्चों को खोजने के लिए कहा कि वे पता लगाएं कि आखिर वे बच्चे आज युवक बनकर क्या कर रहे हैं।

विद्यार्थियों ने उन लड़कों से जुड़ी तमाम जानकारियां जुटाईं। परिणाम निकला कि उन 200 बच्चों में से 20 या तो बाहर चले गए थे अथवा मर गए थे। एक बात जानकर सभी विद्यार्थी ठगे से रह गए। वह यह थी कि उनमें 176 बच्चे सामान्य से अधिक सफल हुए थे और वकील, डॉक्टर, शिक्षक, व्यवसायी, कलाकार आदि बन गए थे।

जब प्रोफेसर को सर्वेक्षण का यह परिणाम पता चला तो उनकी भी हैरानी की सीमा न रही कि आखिर झोपड़पट्टी में रहने वाले वे बच्चे सामान्य से अधिक सफल कैसे हुए? अब प्रोफेसर स्वयं उन युवकों तक पहुंचे और उनसे बोले-आखिर, तुम्हारी सफलता का राज क्या है? सभी ने एक ही जवाब दिया-हमारी अध्यापिका। अब अध्यापिका को ढूंढने की कवायद शुरू हुई। सौभाग्यवश वह अध्यापिका अभी जीवित थी और वृद्ध हो चुकी थी। प्रोफेसर बोले-आखिर तुमने कौन-सा ऐसा जादुई फॉर्मूला प्रयोग किया, जिसकी बदौलत ये लड़के झोपड़पट्टी से निकल कर सफलता के शिखर पर पहुंच गए।

प्रोफेसर का सवाल सुनकर वृद्ध अध्यापिका की आंखों में चमक और आंसू दोनों ही आ गए। वह बेहद नम्रता से बोली-मैंने कोई जादू नहीं किया। मैं तो बस इन सब बच्चों से बिना शर्त का प्रेम करती थी और प्रेमवश ही ये बच्चे आज सफल हैं। यह सुनकर प्रोफेसर बोले-बिना शर्त के 'प्रेम' से ताकतवर तत्व इस दुनिया में शायद नहीं है। इसके बाद उन्होंने भी उसी क्षण से निस्वार्थ प्रेम को अपने जीवन का एक अंग बना लिया।

हम सभी प्रेम में मानसिक अवधारणा को प्रबल बना लेते हैं। उसने मुझे ऐसे क्यों कह दिया, मुझे उससे कोई लाभ नहीं होगा, मैंने उसके लिए इतना काम किया लेकिन उसने आज तक मेरे लिए कुछ नहीं किया, हमेशा मैं ही क्यों झुकूं? ये सारी अवधारणाएं व्यापारिक प्रेम की अवधारणाएं हैं। कहते हैं कि प्रेम अंधा होता है, यह सत्य है। प्रेम अंधा बिना शर्त के प्रेम में होता है। जहां शर्त और इच्छाएं पनपने लगें, वह व्यापारिक प्रेम बन जाता है। व्यापारिक प्रेम की उम्र लंबी नहीं होती। बिना शर्त का प्रेम व्यक्ति को दुनिया की सारी सुख-सुविधाएं प्रदान करता है। इसलिए बिना शर्त प्रेम करके देखिए।

तुर्की

एर्दोगान की जीत के मायने

रहीस सिंह

संसदीय पणाली से अध्यक्षीय प्रणाली में परिवर्तित हुए तुर्की के बाद एदरेगान का यह पहला चुनाव था। जिसमें जीत कर वे अपने लिए असीमित शक्तियां जनमत के जरिए सुनिश्चित करा ली हैं। तुर्की को निरंकुशता के ढें पर डालने वाले एदरेगान की इस विजय से दुनिया के कूटनीतिक सम्बंधों पर क्या असर पड़ सकता है? ईरान, इस्त्राइल और तुर्की क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी हैं जिनके बीच लम्बे समय से सम्बंध सरल नहीं रहे हैं, क्या अब इनके बीच रिश्ते सीधी रेखा में चलेंगे अथवा और अधिक कड़वाहट पैदा होगी? सवाल यह भी उठता है कि भारत एदरेगान की विजय को किस नजरिए से देखे क्योंकि वे एनएसजी एवं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत के प्रवेश का समर्थन करते हैं लेकिन इस्लामाबाद की तरफ पूरे झुके नजर आते रहे हैं। एदरेगान अतातुर्क कमाल पाशा की तुर्की को रूढ़िवादी कट्टरपंथी की ओर ले जाते दिख रहे हैं। विजय के बाद एदरेगान ने कहा कि नई राष्ट्रपति पणाली को तेजी से लागू किया जाएगा। उन्होंने 88 फीसद मतदान की ओर संकेत करते हुए कहा, ''तुर्की ने पूरी दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया है।' लेकिन यह नए किस्म का लोकतंत्र है जिसमें कोई राष्ट्रपति 2014 से लेकर 2029 तक रह सकता है। क्या वास्तव में ऐसा लोकतंत्र दुनिया के लिए एक अच्छा पाठ माना जा सकता है? स्पष्टत- नहीं। 16 अप्रैल 2017 को तुर्की में जनमत सव्रेक्षण से एदरेगान ने जो शक्तियां हासिल कीं या तुर्की के लोगों ने उन्हें जिन शक्तियों को प्राप्त करने की ताकत प्रदान की उससे तुर्की पाशा के काल से बहुत पीछे जाकर आटोमन काल में शिफ्ट हो गया है। क्या यह 21वीं सदी की दुनिया के लिए उपयुक्त उदाहरण हो सकता है? दरअसल इस जनमत संग्रह में राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एदरेगान ने नई शासन पणाली के पक्ष में 51.40 प्रतिशत प्राप्त किए थे जबकि ''न' यानी उनके विरोध 48.60 प्रतिशत मत पड़े थे, इसका मतलब यह हुआ कि तुर्की में एक बड़ा वर्ग था जो एदरेगान की धार्मिक कट्टरता और निरंकुशता को स्वीकार नहीं कर रहा है। अब उसकी जगह इस लोकतंत्र में कहां होगी? अब राष्ट्रपति कैबिनेट मंत्रियों की नियुक्ति, आदेश जारी करने, सरकारी अधिकारियों, जजों की नियुक्ति और उनको बर्खास्त करने के अधिकार के साथ-साथ न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप करने, आपातकाल लागू करने और संसद को भंग करने के अधिकारों से भी सम्पन्न होगा।तुर्की में 2016 में हुए एक असफल सैन्य विद्रोह के बाद से आपातकाल लागू है। एदरेगान ने इसके लिए कोर्ट से समर्थन हासिल नहीं किया है। चूंकि अब वे तुर्की के सुल्तान की हैसियत में पहुंच गये हैं, इसलिए अब राष्ट्रपति के फैसलों पर या जो आपातकाल अब तक लागू है, उस पर कोर्ट से मान्यता लेने की जरूरत नहीं समझी जाएगी। हालांकि, कोर्ट मेंबर्स को स्वयं एदरेगान ही नियुक्त करेंगे इसलिए तुर्की में न्यापालिका का स्वरूप एक प्रतिबद्ध न्यायपालिका का बनेगा, फिर तो उससे भी निष्पक्षता की उम्मीद नहीं की जा सकती। यानी लोकतंत्र अब एदरेगान की कुर्सी के पायों के नीचे दबकर रह जाएगा। रही बात भारत के लिए एदरेगान की जीत के मायने की तो वे भारत की सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट का समर्थन करते हैं। साथ ही एनएसजी में प्रवेश का भी समर्थन करते हैं। लेकिन वे एनएसजी में भारत के प्रवेश का समर्थन करने के साथ-साथ पाकिस्तान के शामिल होने की वकालत भी करते हैं। यही नहीं तुर्की पाकिस्तान को अटैक करनेवाले हेलीकॉप्टर भी आपूतर्ि करता है। वह रणनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान को भारत के मुकाबले अधिक तरजीह देता है। उदाहरण के तौर पर कुछ वर्ष पूर्व अफगानिस्तान पर तुर्की में होने वाले सम्मेलन में पाकिस्तान के कहने पर भारत को नहीं बुलाया गया। एदरेगान जब भारत आए तो उन्होंने अपनी यात्रा शुरू होने से ठीक पहले कश्मीर पर भारत विरोधी नजरिया पेश किया। अब एदरेगान राज्य की तमाम शक्तियां हासिल कर, उन्हें लेजिटीमेट बनाकर क्षेत्रीय ताकतों पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहेंगे। इसके लिए एदरेगान को पाकिस्तान या पाकिस्तान-सऊदी अरब गठजोड़ की जरूरत पड़ेगी। चूंकि एदरेगान यह जानते हैं कि इस्लामी अनुसमर्थन के अतिरिक्त मध्य-पूर्व में जो विन-विन गेम चल रहा है, उसमें आने वाले समय में रूस और अमेरिका के साथ-साथ चीन भी महत्त्वपूर्ण भूमिका में होगा। चूंकि चीन-रूस-पाकिस्तान के मध्य एक त्रिकोण बनता हुआ दिख रहा है, जिसके सामरिक, आर्थिक एवं भू-क्षेत्रीय निहितार्थ हैं। इसलिए तुर्की का झुकाव नई दिल्ली के मुकाबले इस्लामाबाद या बीजिंग-इस्लामाबाद की ओर अधिक रहना स्वाभाविक है। एदरेगान की जीत और बदलते तुर्की के ईरान, रूस, अमेरिका, पाकिस्तान, इस्त्राइल या भारत के लिए अपने-अपने मायने हैं।

सार समाचार

मैक्सिको : पत्रकार की गोली मारकर हत्या

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको के क्विंटाना रो राज्य के एक बार में एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस तरह का साल का यह आठवां हत्या का मामला है।जोस गुआडालूप चान जिब दक्षिणपूर्वी मैक्सिको के एक जाने माने पत्रकार थे। उन्होंने कई अखबारों में काम किया था और वर्तमान में प्लाया डेल कारमेन रिसॉर्ट शहर स्थित एक ऑनलाइन अखबार प्लाया न्यूज में अपराध संवाददाता के तौर पर काम कर रहे थे। अधिकारियों ने शनिवार को कहा, फेलिपे कारिलो प्यूटरे शहर में शुक्रवार की रात हुई हत्या के जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की है जिसमें यह भी पता किया जाएगा कि क्या हत्या चान जिब की पत्रकार के तौर पर कार्य से जुड़ी है या नहीं। क्विंटाना रो राज्य के मानवाधिकार आयोग ने एक बयान जारी कर हत्या की निंदा की है और पत्रकार के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना जताई है। आयोग ने कहा, उसने समाचार मीडिया प्रतिनिधियों से पत्रकारों व मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से संबद्ध मामलों को मैक्सिको की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी को देने के लिए संपर्क किया है।

थाईलैंड : गुफा में आठ दिन से फंसे हैं बच्चे

मे साई (एजेंसी)। थाईलैंड में बचाव दल के गोताखोर आज उस गुफा में कई किलोमीटर भीतर पहुंचने का प्रयास तेज करेंगे, जहां पानी भर जाने से 12 लड़के और उनके फुटबाल कोच आठ दिन से फंसे हैं। मौसम में सुधार के साथ आज लगातार खोज अभियान जारी है। बचाव दल बच्चों को ढूंढने की उम्मीद में थाम लुआंग गुफा के भीतर पहुंचे। 11 से 16 वर्ष के लड़के और उनके फुटबाल कोच करीब एक सप्ताह से अधिक समय से वहां फंसे हैं। कड़े प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मदद के बावजूद उनके लापता होने के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। मानसून की बारिश ने गलियारों को ब्लॉक कर बचाव कार्य को और अधिक जटिल बना दिया है।

नमक का अधिक सेवन घातक, हो सकती है असमय मौत

बोस्टन (एजेंसी)। भोजन में अधिक मात्रा में सोडियम का सेवन करने से दिल की बीमारियां हो सकती है और साथ ही असामयिक मौत होने का खतरा भी बढ़ सकता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमायलॉजी में प्रकाशित यह अध्ययन करीब 3,000 लोगों पर किया गया जिन्हें उच्च रक्तचाप था। इस अध्ययन से भोजन में नमक की अधिक मात्रा और मौत के खतरे के बीच सीधा संबंध होने की पुष्टि हुई है। अमेरिका में बर्मिंघम और वुर्मेस अस्पताल की नैंसी कुक ने कहा कि सोडियम की मात्रा को मापना मुश्किल है। सोडियम छिपा हुआ होता है यहां तक कि अक्सर आपको पता ही नहीं होता कि आप कितनी मात्रा में सोडियम का सेवन कर रहे हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि सोडियम की मात्रा हर दिन बदलती रहती है जिसका मतलब है कि आपने कितनी मात्रा में सोडियम का सेवन किया इसका पता लगाने के लिए कई दिनों तक यूरीन के नमूने लेने पड़ते हैं। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि अधिक मात्रा में सोडियम का सेवन करने और मरने का खतरा बढ़ने के बीच प्रत्यक्ष संबंध है।

जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं टूटेगा स्मार्टफोन, जानिए कैसे

बर्लिन (एजेंसी)। जब आपका कीमती स्मार्टफोन गिरता है तो जरूर आपकी धड़कनें रुक जाती होंगी लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब स्मार्टफोन गिरने पर टूटेगा नहीं, बशर्ते कि आपके पास स्मार्टफोन एयरबैग हो। वैज्ञानिकों ने स्मार्टफोन का एक ऐसा कवर तैयार किया है जो एयरबैग की तरह काम करता है। कवर में मकड़ी की तरह पैर लगे हैं जो स्मार्टफोन के गिरने से जो असर पड़ता है उसे बर्दाश्त कर लेंगे और फोन को टूटने से बचाएंगे। खास तरह का यह कवर बाजार में उपलब्ध सामान्य कवरों से अलग नहीं दिखता। लेकिन, जब फोन जमीन पर गिरता है तो इसके अंदर लगे स्प्रिंग चारों कोनों पर निकलकर फोन को नुकसान पहुंचाने से बचा लेते हैं। बाद में इन्हें अंदर किया जा सकता है। दरअसल, इस एयरबैग में इस तरह के सेंसर लगे हुए हैं जो फोन के हाथ से छूटते ही पता लगा लेते हैं। जर्मनी में आलेन यूनिवर्सिटी के फिलिप फ्रेंजेल ने यह कवर बनाया है।

काई से भरी झील में बोटिंग का मजा...चीन के प्रांत हुबेई के शहर वुहान की एक वेटलैंड में काई से भरी झील में बोट का मजा लेते लोग। यहां टूरिस्ट सीजन में काफी भीड़ होती है और लोग झीलों में खासतौर से बोटिंग करना पसंद करते हैं।

एक ऐसे डॉक्टर जो मरीजों के परिजनों को खिलाते हैं फ्री में खाना

लीमा (एजेंसी)। वैसे भी डॉक्टर को भगवान का रूप माना जाता है। इसकी वजह लोगों इनका पेशा ही है जिसके तहत इन्हें यह उपाधि दी जाती है। लेकिन वहीं एक ऐसा डॉक्टर भी है जो इससे भी आगे बढ़कर अपने मरीजों और उनके परिजनों को रहने और खाने की व्यवस्था भी करता है।

आपको बता दें कि पेरू में डॉक्टर रिकार्डो पुन-चोंग कैंसर से पीड़ित बच्चों का इलाज कराने आए परिवारों को मुफ्त में खाना और रहने की जगह देते हैं।

यह देखकर उन्हें खराब लगा और उन्होंने इनके लिए कुछ करने का फैसला किया। अब वे अपने खाली समय में देश की राजधानी लीमा के अस्पतालों में घूमते हैं। वहां ऐसे लोगों को तलाशते हैं और उनकी मदद करते हैं।

अभिभावकों के पास नहीं होते थे पैसे

डॉ. रिकार्डो के अनुसार, कई मामलों में उन्होंने देखा कि बच्चों का इलाज कराने आए लोगों के पास बहुत कम पैसे होते हैं या बिल्कुल ही नहीं होते। इसके अलावा उनके पास आने वाले अधिकांश लोगों को एंडीज पहाड़ पार करके आना पड़ता है या फिर अमेजन नदी।

इसमें काफी दिन लग जाते हैं। घर से दूर लीमा में किराए से रहना लोगों के लिए आसान नहीं होता।

संगठन बना शुरु की लोगों की मदद

डॉ. रिकॉर्डो ने 2008 में एक गैर-लाभकारी संगठन इन्सपाइरा बनाया। यह बच्चों के इलाज में भी मदद करता है। इन्सपाइरा पेरू में अब तक 900 से ज्यादा परिवारों की मदद कर चुका है। वे अपनी हर छुट्टी मरीजों के परिवारों के साथ बिताते हैं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें प्रेरणा कहां से मिलती है इस सवाल पर वे कहते हैं, बच्चे ही हर दिन मुझे प्रेरणा देते हैं।

जब मैं इनके साथ होता हूं तो लगता है कि ऐसी कोई समस्या नहीं जिसे मैं हल नहीं कर सकता।

गढ़ में पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो के काफिले पर हमला

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के गढ़ ल्यारी में गुस्से से भरे प्रदर्शनकारियों ने पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो के काफिले पर हमला कर दिया। घटना में दो लोग घायल हो गये और कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बताया कि बिलावल कल ल्यारी के बगदादी इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उसी दौरान करीब 100 प्रदर्शनकारियों ने 'बिलावल वापस जाओ' के नारे लगाए और उनके काफिले पर पथराव किया। अधिकारियों ने कहा कि पीपीपी अध्यक्ष को कोई चोट नहीं आयी है। हालांकि घटना में एक ट्रक और एक कार क्षतिग्रस्त हुई है। ल्यारी पीपीपी की पारंपरिक सीट है और बिलावल एनए -247 सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। देश में 25 जुलाई को आम चुनाव होने हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के इकलौते पुत्र और पीपीपी के संस्थापक जुल्फिकार अली भुट्टो के नाती हैं। बिलावल पहली बार आम चुनाव लड़ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि प्रदर्शन शुरू होते ही बिलावल वहां से निकल गये थे।

पार्टी नेता सईद गनी ने कहा कि हमले में दो कार्यकर्ता घायल हुए हैं। उन्होंने हिंसा के लिए अन्य दलों जैसे पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट को जिम्मेदार बताया। शाम में बिलावल ने एक बयान जारी कर कहा कि वह हिंसा से नहीं डरेंगे। प्रवक्ता के अनुसार , पीपीपी अध्यक्ष ने कहा , '' ल्यारी मेरे खून में है। मैं पार्टी के चुनावी घोषणापत्र के साथ देश के कोने - कोने तक जाऊंगा। हमें इन हिंसक तत्वों को हराना है , उनके सामने घुटने नहीं टेकने हैं। ऐसी ताकतें मुझे डरा नहीं सकती ।

»» पलभर में चीन को कर सकती है तबाह

सेना में शामिल होगी अग्नि-5 मिसाइल

चीन (एजेंसी)। पूरे चीन तक मार करने वाली अंतर महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-5 को जल्द ही सेना में शामिल किया जाएगा। इस मिसाइल प्रणाली से देश की सैन्य ताकत में जबरदस्त इजाफा होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 5,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली यह मिसाइल प्रणाली परमाणु सामग्री ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल प्रणाली को सामरिक बल कमान (एसएफसी) में शामिल किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि देश के सबसे अत्याधुनिक हथियार को एसएफसी को सौंपे जाने से पहले कई परीक्षण किए जा रहे हैं। अग्नि-5 कार्यक्रम से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि यह एक सामरिक संपत्ति है जो दूसरे देशों के लिए रोक का काम करेगी। हम इस सामरिक परियोजना के अंतिम चरण में हैं।

और परीक्षण होंगे

पिछले महीने अग्नि-5 का ओड़िशा तट से सफल परीक्षण किया गया था। सूत्रों का कहना है कि एसएफसी में शामिल किए जाने से पहले कई अन्य परीक्षण अगले कुछ हफ्तों में होने वाले हैं।

चीन के ये शहर जद में

रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि यह मिसाइल बीजिंग , शंघाई , ग्वांगझाऊ और हांगकांग जैसे शहरों सहित चीन के किसी भी इलाके को लक्ष्य बनाकर भेदी जा सकती है।

इन देशों के पास आईसीबीएम

अग्नि-5 अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) की श्रेणी में आती है

अमेरिका, रूस, चीन, उत्तर कोरिया और फ्रांस के पास ही हैं ऐसी मिसाइलें हैं

अग्नि श्रेणी

अग्नि-1 : 700 किलोमीटर तक मारक क्षमता

अग्नि-2 : 2000 किलोमीटर तक मारक क्षमता

अग्नि-3 : 2500 किलोमीटर तक मारक क्षमता

अग्नि-4 : 3500 किलोमीटर तक मारक क्षमता

अग्नि-5 के 6 सफल परीक्षण

19 अप्रैल 2012 को पहला

15 सितंबर 2013 को दूसरा

31 जनवरी 2015 को तीसरा

26 दिसंबर 2016 को चौथा

18 जनवरी 2018 को पांचवा

3 जून 2018 को छठां

इनकी क्षमताओं में भी वृद्धि

देश की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सरकार कई और महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भी शामिल है। पिछले दिनों सूखोई-30 से ब्रह्मोस मिसाइल का परीक्षण किया गया था। रक्षा मंत्रालय अब 40 सुखोई लड़ाकू विमान पर ब्राह्मोस मिसाइल को एकीकृत करने की प्रक्रिया में है।

अब ब्रिटेन के स्कूलों में लड़कियां स्कर्ट की जगह ट्राउजर पहनेंगी

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के स्कूलों में लैंगिग भेदभाव के आरोपों के बीच लड़कियों के लिए यूनिफॉर्म में स्कर्ट की जगह ट्राउजर होगा। दरअसल स्कूल ट्रांसजेंडर लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहते हैं। इसलिए सभी के लिए ट्राउजर नीति को अपनाया जा रहा है। संडे टाइम्स के स्कूलों में यूनिफॉर्म नीति के विश्लेषण के मुताबिक, 40 सेकेंडरी स्कूलों ने लड़कियों के स्कर्ट पहनने पर रोक लगा दी है, जबकि अन्य स्कूल भी इस बारे में विचार कर रहे हैं। पूरे ब्रिटेन के ज्यादातर स्कूल लैंगिक भेदभाव से परे यूनिफॉर्म नीति अपना रहे हैं।

स्कूलों ने ऐसे समय यह कदम उठाया है, जब ब्रिटेन की सरकार देश के 'जेंडर रिकग्निशन एक्ट' में बदलाव के रास्ते ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों को स्पष्ट करने की तैयारी कर रही है। इससे पहले ईस्ट ससेक्स के लेवेस में प्रॉयरी स्कूल ने पिछले वर्ष स्कर्ट पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

स्कूल का कहना है कि अक्सल सवाल उठते थे कि लड़कों और लड़कियों के लिए यूनिफॉर्म अलग-अलग क्यों है। साथ ही यूनिफॉर्म में ट्रांसजेंडर छात्रों की जरूरतों का भी खयाल रखा जाना चाहिए।

हाथ से बना 1149.8 मीटर लंबा स्कार्फ गिनीज बुक में शामिल

नोमपेन्ह। महिलाओं के पहने जाने वाले स्कार्फ की लंबाई को लेकर अबतक आपने ज्यादा नहीं सोचा होगा। लेकिन कंबोडिया में एक ऐसा स्कार्फ बना जिसकी लंबाई जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे।

जी हां, पूरे 1149.8 मीटर लंबा स्कार्फ वह भी हाथ से ही बना डाला। इस खास स्कार्फ को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। कंबोडिया में स्कार्फ को स्थानीय खमेर भाषा में क्रमा कहा जाता है। 88 सेंटीमीटर चौड़े इस स्कार्फ को तैयार करने में पांच महीने लगे।

इसको तैयार करने में 20 क्रमा बुनकर समुदाय के लोग और हजारों लोगों ने सहयोग किया।

20 हजार लोगों की मौजूदगी में घोषणा

नोमपेन्ह शहर में स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक मंडल के एक सदस्य स्वप्निल डांगरीकर ने करीब 20 हजार से ज्यादा लोगों की उपस्थिति में इसे दुनिया का सबसे लंबा स्कार्फ घोषित करते हुए गिनीज बुक में शामिल किया। उन्होंने कहा कि इस स्कार्फ को 30.5 सेंटीमीटर चौड़ाई और कम से कम एक हजार मीटर लंबाई के आकार में बनाने का मानदंड तय किया गया था। यह पूरी तरह से कॉटन यानी सूती है।

जब डांस में बनाया था रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे लंबी स्कार्फ बनाने से पहले कंबोडिया ने वर्ष 2015 में मैडिसन डांस का विश्व रिकॉर्ड बनाया था जिसमें 2,015 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। साथ ही परंपरागत केक का निर्माण किया जिसका वजन 4.04 टन था। यह भी केक निर्माण का एक रिकॉर्ड था।

मोबाइल एप करेगा सेहतमंद खाना चुनने में मदद

वाशिंगटन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे मोबाइल एप का विकास किया है जो स्वास्थ्यवर्धक भोज्य पदार्थ चुनने में आपकी मदद कर सकता है। फूडस्विच नामक यह एप ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ और अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित किया गया है। यह फूडस्विच भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका और हांगकांग समेत कई देशों में पहले ही लॉन्च हो चुका है।

मोबाइल स्क्रीन पर एक टैप के साथ उपयोगकर्ता पैक्ड किए गए भोजन के बारकोड को स्कैन करने के साथ ही उस खाद्य पदार्थ की गुणवत्त की रेटिंग करने के अलावा अन्य स्वास्थ्यवर्धक भोज्य पदार्थों की पहचान भी कर सकते हैं। यह एप हेल्थ स्टार रेटिंग उपलब्ध कराता है जो प्रत्येक भोजन को 0.5 स्टार (अस्वास्थ्यकर) से 5 स्टार (स्वस्थ) के बीच स्कोर करता है। यह गणना एक कंप्यूटर एल्गोरिदम पर आधारित है जो स्वास्थ्य पर विभिन्न पोषक तत्वों के पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताता है। शोधकर्ताओं का दावा है कि यह एप भोजन में वसा, संतृप्त वसा, चीनी और नमक की जानकारी देने के साथ ही एक व्यस्क व्यक्ति के इनके दैनिक सेवन का प्रतिशत भी बताता है। एप में यातायात सिग्नल की तरह लाल, पीले और हरे रंग की रोशनी है। यदि किसी भोज्य पदार्थ में कुछ स्टार अथवा कई लाल रोशनी दिखती है तो इसका मतलब यह हुआ कि इसमें वसा, चीनी और नमक की भारी मात्रा विद्यमान है। यदि कोई उपयोगकर्ता बारकोड स्कैन करता है और डाटाबेस में वह भोज्यपदार्थ उपलब्ध नहीं है तो एप उपयोगकर्ता को पैकेजिंग, इसके पोषण तथ्यों और घटक सूची की तस्वीर उपलब्ध करने के लिए संकेत देता है ताकि एप की टीम इसे डेटाबेस में जोड़ सके। अमेरिका के नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर मार्क हफमैन कहत हैं कि इस प्रकार की क्राउडसोर्सिंग (विभिन्न स्त्रोतों प्राप्त जानकारी)एप की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्माता अक्सर उत्पादों को अपडेट करते रहते हैं जिसे इस एप के द्वारा ट्रैस किया जा सकता है। ऐप के भीतर एक साल्टस्विच फ़िल्टर उपयोगकर्ताओं को कम नमक वाले खाद्य

पदार्थों के लिए मार्गदर्शन कर सकता है। वहीं, उपयोगकर्ताओं को एप के 268,000-उत्पाद डेटाबेस को अपडेट करने के लिए नए और बदलते खाद्य पदार्थों पर जानकारी को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

सूरत। सोमवार को दिन पर इंद्रदेव ने भारी वर्षा की जिससे पुरे शहर में मौशम सुहाना हो गया।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी

राजकोट समेत पुरे सौराष्ट्र में आब बारिश का माहौल

लगातार बारिश से किसान समुदाय खुश : राजकोट, भावनगर, गांधीनगर समेत के सभी इलाकों में बारिश

अहमदाबाद । दक्षिण गुजरात के अधिकांश इलाको में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है । अगले दो दिनों के दौरान भारी बारिश की संभावना व्यक्त की जा रही है । उमस के कारण आज एक बार फिर लोग परेशान दिखे । मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार से गुजरात रिजन के कुछ भागों एवं दक्षिण गुजरात के अधिकांश भागो में भारी बारिश की संभावना जताई गई है । आज गुजरात के बहुत से इलाको में भारी बारिश दर्ज हुई । राजकोट समेत पुरे सौराष्ट्र में और गुजरात के इलाको में बारिश दर्ज हुई । बारिश का माहौल अब जम चुका है ।

राजकोट से मिली जानकारी के मुताबिक बहुत सी जगह पर धीमी गति से और कुछ जगह पर भारी बारिश दर्ज हुई है । बाबरा इलाके में सुबह से ही बारिश का माहौल देखने को मिला । राजकोट के बहोत से इलाको में भी बारिश हुई है ।

राजकोट के अलावा भावनगर और गांधीनगर में भी भारी बारिश दर्ज हुई है । मौसम विभाग ने बताया कि सौराष्ट्र और राजकोट के सभी इलाकों में बारिश जारी रह सकती है । अगले पांच दिनों के दौरान दक्षिण गुजरात, दमण, दादरा नगर हवेली में बारिश जारी रहेगी । इसके अलावा सौराष्ट्र के इलाको में भी बारिश जारी रहने से किसान समुदाय में खुशी के लहर देखने को मिल रही है । बहुत से इलाको में भारी बारिश हुई है जिसमें भावनगर शामिल है । भावगनर और गांधीनगर इलाको में भारी बारिश के चलते कुछ इलाको में पानी भी भर गया ।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मोनसून निर्धारीत समय से पहले पुरे देश में पहुंच चुका है । केरल में मोनसून निर्धारीत समय से तीन दिन पहले पहुंच चुका है । दुसरी ओर देश के अन्य इलाको में भी मोनसून निर्धारीत समय से १७ दिन पहले पहुंच चुका है । गुजरात में भी अब मोनसून पहुंच चुका है और बारिश की शुरुआत हो चुकी है । किन्तु अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात में अब तक कम बारिश हुई है । शहर के नीचले इलाको में एक बार फिर पानी भरने से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पोल खुल गई । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने हालहि में दावा किया था कि मोनसून को लेकर प्रि-प्लानींग की गई है । थोडी बारिश से पानी भरने से कोर्पोरेशन के एकशन प्लान को लेकर एक बार फिर नये प्रश्न सतह पर आये है । अहमदाबाद में आज उमस और गर्मी के बीच लोगों को शांम के वक्त राहत मिली । लोगो को उस वक्त राहत मिली जब शांम के वक्त हल्की बारिश शुरु हुई । जिसके चलते तापमान में भी और अधिक गिरावट हुई । पूर्व विस्तार में स्थित बहुत सी सोसायटी और दुकानो में पानी घुसने के भी समाचार मिले है । अहमदाबाद में सामान्य रुप से थोडी बारिश से ही पानी भरने और अलग अलग प्रकार की शिकायते हर साल होती है ।

सीबीआई को जांच सोंपने की मांग की गई

गैंगरेप केस में पीड़िता के पिता की हाई कोर्ट में अर्जी

पीड़िता की मेडिकल जांच कराने के हाईकोर्ट के निर्देश संबंधितो को हाई कोर्ट ने नोटिस दी : आज फिर सुनवाई

अहमदाबाद । सेटेलाइट इलाके से कार में २२ वर्षिय युवती का अपहरण करने के बाद कार में उसके साथ गैंगरेप करने और अन्य के द्वारा वीडियो उतारे जाने के मामले में और अधिक जानकारी सतह पर आ रही है । आक्षेप प्रतिआक्षेप के दौर के बीच आज पीड़िता के पिता ने गुजरात हाई कोर्ट में अर्जी दायर कर दी । पीड़िता के पिता ने गुरात हाई कोर्ट में अर्जी दायर करते हुए पुरे मामले में निष्पक्ष और न्यायिक तपास की मांग की है । पीड़िता की और से की गई अर्जी में उसके पिता ने तपास एजन्सी अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच के खिलाफ गंभीर आरोप लगाये थे और पुरे केस की तपास सीबीआई की ओर से कराए जाने की मांग की थी । गुजरात हाईकोर्ट नें भी इस केस को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता की जल्दी से मेडिकल जांच कराने के निर्देश दिये थे । साथ साथ हाई कोर्ट ने सरकारी पक्ष को भी कुछ सूचनाए दे दी है । पीड़िता को संतुष्टी हो इस प्रकार से शिकायत की तपास आगे बढ़ाने की सूचना दी गई है । हाई कोर्ट ने इस पुरे मामले की सुनवाई एक बार दोपहर २.३० बजे रखी थी । उसके बाद भी इस मामले में सुनवाई हुई । पीड़िता के पिता की ओर से की गई अज ी पर तुरंत सुनवाई की मांग की गई थी । जिसके चलते हाईकोर्ट ने दोपहर २.३० बजे सुनवाई के बाद शांम को ५ बजे भी सुनवाई की । हाई कोर्ट ने याचिका करने वाले लोगों की ओर से दलीले सुनने के बाद राज्य सरकार, तपास संस्था क्राइम ब्रांच समेत सभी संबंधितो को नोटिस जारी की है । इस केस में कल मंगलवार के दिन फिर सुनवाई होगी । पीड़िता के पिता की ओर से की गई अर्जी में जांच संस्था की भूमिका को लेकर भी प्रश्न किये गए है । पीड़िता के पिता की ओर से क्राइम ब्रांच के उच्च अधिकारी जेके भट्ट की ओर से पीड़िता को तपास के बहाने मानसिक टोर्चर करने की भी फरियाद की है ।

नारणपुरा लखुडी आवास योजना में हुए घोटाले को लेकर स्थानीय निवासियों द्वारा प्रदर्शन किया गया और नारणपुरा पुलिस स्टेशन तक प्रदर्शन किया गया । इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया ।

इजरायल की विशेषज्ञता से गुजरात में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मिलेगा नया बल: मुख्यमंत्री

आई-क्रिएट के साथ इजरायल की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के तीन समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उनके इजरायल दौरे के अंतिम चरण में इजरायल के स्टार्टअप नेशनल सेंटर का दौरा किया। गौरतलब है कि यह स्टार्टअप नेशनल सेंटर इजरायल में कार्यरत युवा स्टार्टअप के लिए आइडिया साझा करने का एक अहम मंच है। प्रति व्यक्ति स्टार्टअप राजस्व के मामले में इजरायल के नंबर वन होने की जानकारी स्टार्टअप नेशनल सेंटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी युजेन कंडेल ने मुख्यमंत्री को दी। इस पर बधाई देते हुए रूपाणी ने कहा कि गुजरात के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए युजेन के अनुभवों का मार्गदर्शन लाभकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में स्टार्टअप इनोवेशन पॉलिसी, आई-क्रिएट तथा स्टार्टअप मिशन जैसे माध्यमों से हम युवा उद्यमियों के नवाचार को नया बल प्रदान कर रहे हैं। इसमें इजरायल के स्टार्टअप नेशनल सेंटर की विशेषज्ञता का लाभ जुड़ने से युवा स्टार्टअप की उड़ान को नए पंख लग जाएंगे। इस मौके पर उन्होंने गुजरात में स्टार्टअप के लिए इस विशेषज्ञता के साथ स्टेट ऑफ द आर्ट फैसिलिटीज के निर्माण की मंशा जताई। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद स्थित आई-क्रिएट इजरायल-भारत-गुजरात के बीच रियल इनोवेशन ब्रिज का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायली प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू का स्वप्न साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा इनोवेशन ब्रिज है, जहां इजरायल के कुशल इनोवेटर्स अन्य इनोवेटर्स के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। वे यह भी प्रदर्शित कर सकते हैं कि उनकी अनोखी टेक्नोलॉजी भारतीय परिस्थिति में किस तरह अनुकूल हो सकती है। इसके साथ ही भारतीय बाजार में अपना कार्यक्षेत्र स्थापित कर उसे व्यापक भी बना सकते हैं। रूपाणी ने यह भी कहा कि स्टार्टअप नेशनल सेंटर और पीयर्स प्रोग्राम फॉर ग्लोबल इनोवेशन जैसी संस्थाओं ने इजरायल को इनोवेशन के क्षेत्र में पावर हाउस बनाने में बल दिया है। अब गुजरात में आई-क्रिएट में उनकी सक्रिय भागीदारी से स्टार्टअप को उनके विशाल अनुभवों का व्यापक लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इजरायल के तीन इनोवेटिव स्टार्टअप ने गुजरात के आई-क्रिएट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर गुजरात में अपनी टेक्नोलॉजी का पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लाभ देने की उत्सुकता बताई। इन तीनों समझौता ज्ञापनों के अंतर्गत इजरायल के बायोफिड के डॉ. निमरोद ने फल-सब्जियों आदि में रसायनिक स्प्रे के कम इस्तेमाल के बावजूद कीटों पर नियंत्रण की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के संबंध में गुजरात के आई-क्रिएट के साथ करार किया। दूषित पानी के शुद्धिकरण की मात्रा और गति बढ़ाने के लिए इनोवेटिव बायो फिल्म्स के उपयोग के लिए एक्वाइज के श्री एलाड फेंकेले ने भी समझौता ज्ञापन किया। तीसरा समझौता ज्ञापन चक्राटेक के इलेन बेन डेविड ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के फास्ट चार्जिंग की कायनेटिक स्टोरेज के संबंध में किया। तीनों समझौता ज्ञापन करने वाले स्टार्टअप कंपनियों सहित अन्य उत्सुक स्टार्टअप को गुजरात में आई-क्रिएट-अहमदाबाद में उनके कारोबार की स्थापना के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आई-क्रिएट उनकी टेक्नोलॉजी के प्रदर्शनों के पायलट प्रोजेक्ट के लिए तथा भारत में योग्य व्यावसायिक मॉडल खड़ा करने के लिए भी उपयोगी साबित होगा। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में इन तीनों समझौता ज्ञापनों के अलावा द पीयर्स प्रोग्राम फॉर ग्लोबल इनोवेशन की निदेशक डॉ. एलिजा बेल्मेन और आई-क्रिएट के बीच भी समझौता ज्ञापन हुआ।

द पीयर्स प्रोग्राम फॉर ग्लोबल इनोवेशन इजरायल में सामाजिक जीवन की समस्याओं के निवारण के लिए टेक्नोलॉजी आधारित ग्रैंड चैलेंजेस और हैकाथॉन का आयोजन करता है। इस संस्था ने आई-क्रिएट के सहयोग से इंडिया-इजरायल इनोवेशन ब्रिज चैलेंज का सफल आयोजन किया है। इस इनोवेशन ब्रिज के विजेताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू तथा मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की उपस्थिति में गत जनवरी-2018 में आई-क्रिएट गुजरात में सम्मान भी किया गया था।

आरटीओ में फिर सर्वर डाउन की समस्या से नागरिक परेशान

अहमदाबाद । अहमदाबाद सुभाषब्रिज के पास स्थित आरटीओ कार्यालय में सर्वर डाउन के कारण लाइसेंस संबंधी सभी कामकाज ठप हो गये, यहां तक कि ३ से ५ जुलाई की दी गई लाइसेंस की ड्राइवींग टेस्ट सहित की सभी नियुक्ति भी आरटीओ प्रशासन ने रद्द करके संबंधित वाहनचालकों को अंतिम समय में मैसेज किया गया, जिसकी वजह से आरटीओ कार्यालय में सोमवार को भारी अराजकता का माहौल पैदा हो गया था । वाहनचालकों-नागरिक अपनी आज की एपोइन्टमेन्ट होने से आरटीओ कार्यालय पहुंचे थे, जहां आरटीओ प्रशासन ने उनको नई एपोइन्टमेन्ट भी लिखकर देने का साफ इन्कार करके भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था । जिसे लेकर सोमवार को ३०० से ज्यादा वाहनचालक नागरिकों को आरटीओ कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ा । लोग अपने धंधा-रोजगार, नौकरी से छुट्टी लेकर आरटीओ पहुंचे थे लेकिन आरटीओ प्रशासन की लापरवाही को लेकर वह बहुत परेशान हो गये ।

देर रात हाईवे पर लूट की घटना से सनसनी

एसजी हाईवे पर तीन युवकों पर चाकू से वार करके लूट

अहमदाबाद । देर रात तक लोगों के आवागमन वाले सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर थलतेज चार रास्ते से पकवान चार रास्ते तक के ५०० मीटर की दूरी में ही रात को लूट वीथ मर्डर की घटना होने पर पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई है । तीन अज्ञात शख्सों ने तीन युवक को अलग-अलग स्थलों पर चाकू से वार करके मोबाइल फोन और पर्स लूट लिया गया था, जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दो व्यक्ति को गंभीर रूप से चोटें आयी जिसकी वजह से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया । इस घटना से स्थानीय निवासी डर गये हैं और अब एसजी हाईवे जैसे देर रात तक लोगों के आवागमन वाले सार्वजनिक रोड पर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाये गये हैं । दूसरी तरफ इस घटना के मामले में वस्त्रापुर पुलिस ने हत्या लूट सहित का अपराध दर्ज करके आरोपियों की खोज बीन शुरू कर दी है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल का निवासी और हाल में थलतेज गांव में किराया के मकान में रहते शुभांकर भादुरी (उम्र.१९) इस्कोन मंदिर के पास स्थित हंगर हेवन रेस्टोरेन्ट में कीचन हेल्पर के तौर पर नौकरी करते है । गत दिन देर रात को ११ बजे नौकरी पूरा करके साइकिल लेकर पकवान चार रास्ते के पास अपने चचेरे भाई को मिलने के लिए गये थे । रात को डेढ़ बजे साइकिल लेकर घर जाने के लिए निकले थे । थलतेज गुरुद्वारा के निकट बस स्टेन्ड के पास सर्विस रोड पर शुभांकर पहुंचे तब सामने से बाइक पर तीन अज्ञात शख्स आये थे ।

सुबह में सुभाषब्रिज सर्कल पर एक कारचालक ने नियंत्रण गंवाया था ।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com